वेद एवं पौरोहित्य विभाग

'विद्-ज्ञाने' अर्थात् मानव का ज्ञान से सबसे पहले तादात्म्य कराने वाले विश्व के प्राचीनतम साहित्य एवं भारत के पवित्र तथा आधारभूत अपौरुषेय ग्रंथ 'वेद' का अध्ययन करने के लिए वेद एवं पौराहित्य विभाग की स्थापना की गई है, जिसमें ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की कतिपय शाखाओं का अध्यापन करवाया जाता है। इन संहिताओं के सस्वर मन्त्रपाठ के साथ ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषद् एवं विभिन्न भाष्यकारों के मत यथा सायण, महीधर, उव्वट, स्वामी दयानन्द, स्वामी करपात्री, स्कंद स्वामी प्रभृति भारतीय तत्त्वचिन्तकों के भाष्यग्रंथों का अध्यापन करवाया जा रहा है।

यहाँ निरुक्त, पिंगलछन्दःसूत्र, जैमिनीय न्यायमाला, अर्थसंग्रह, बृहद्देवता, कात्यायन-श्रौतसूत्र, आश्वलायन-श्रौतसूत्र, लाट्यायन-श्रौतसूत्र एवं कतिपय गृह्यसूत्रों का अध्यापन प्रायोगिक विधि से करवाया जाता है। साथ ही महर्षि अरविन्द एवं पं. मधुसूदन ओझा प्रभृति भारतीय और ग्रीफिथ व मैक्समूलर जैसे पाश्चात्य वैदिक चिन्तकों द्वारा वेदों पर किए भाष्यों का वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अध्यापन करवाया जा रहा है। श्रौतकर्मानुष्ठान के साथ स्मार्त प्रयोग की शिक्षा नियमित रूप से दी जाती है, जिससे विद्यार्थी स्वावलंबी बनकर स्वरोजगार प्राप्त करते हैं। इस विभाग में संयुक्ताचार्य के साथ कर्मकाण्ड पौरोहित्य डिप्लोमा की सायंकालीन कक्षा भी संचालित की जाती है। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में अध्यापन कार्य सीबीसीएस पाठयक्रम तथा ऑनलाइन के माध्यम से भी कराया जायेगा।

वेद एवं पौरोहित्य विभाग की भावी कार्य योजनाएं

1. वैदिक प्रयोगशाला की स्थापना।, 2. वेदमन्दिर में भगवान् वेद की स्थापना।, 3. वेबसाइट बनाकर योग्य वैदिक विद्वानों को पंजीकृत कर Online Demand (माँगे जाने पर) राष्ट्रीय स्तर पर यज्ञयाजन हेतु उपलब्ध करवाना।, 4. भूविज्ञान, अन्तरिक्षविज्ञान में वेदाधारित पाठ्यक्रम संचालित करना।, 5. वैदिकछात्र-छात्राओं हेतु शत-प्रतिशत रोजगार के लिए नये क्षेत्रों को चिन्हित करना।, 6. वैदिक प्रबन्धन का पाठ्यक्रम संधारित कर संचालित करना।, 7. गौआधारित शिक्षा व अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना।, 8. विशिष्टाचार्य परीक्षा अध्ययनाध्यापन हेतु ग्रन्थविशेष का पाठ्यक्रम तैयार कर प्रारम्भ करना।, 9. वेद में नवाचार का अनुसन्धान करना।, 10. गुरुकुल पद्धति की स्थापना द्वारा राष्ट्रव्यापी वैदिक नेटवर्क तैयार करना । श्रौत पादपों का वेदोद्यान विकसित करना।

आचार्यगण

डॉ. शम्भु कुमार झा
विभागाध्यक्ष
9166227681

डॉ. नारायण होसमने
सहायक आचार्य
9928157795

डॉ. देवेन्द्र कुमार
सहायक आचार्य
8824467198